National Seminar cum Symposium On Holistic Development of Learners through Activity Based Education

February 18-20, 2019

Organized By
Department of Education

Vipra Arts, Commerce and
Physical Education College,
Behind Computer Department,
Pt. R.S.S. University, Raipur, Chhattisgarh

Email : vipracollege1996@gmail.com
divyasharma26feb@gmail.com
Website : www.vipracollege.org
Cont.No. : 9977703004, 8827144428

Programme Details

Monday, 18 February 2019 — **Venue: Multipurpose Hall, Education Departme**

Registration	09:30 am to 10:30 am
Inaugural Session	
10:30 am – 10:35 am	Lightening of Lamp and Floral Welcome
10:35 am – 10:50 am	Welcome Address: by Dr. Meghesh Tiwari, Principal, Vipra A Commerce & Physical Education College, Raipur, Chhattisg
10:50 am – 11:05 am	About the Seminar: Dr. Divya Sharma, Convener
11:05 am – 11:25 am	Presidential Address: Sh. Gyanesh Sharma, Chairman, Vip Shikshan Samiti, Raipur, C.G.
11:25 am – 11:45 am	Address by Chief Guest Prof. K.L. Verma, Hon'ble V Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.
11:45 am – 11:55 am	Presentation of Mementos
11:55 am – 12:00 am	Vote of Thanks
12:00 noon – 12:20 pm	**Tea Break**
12:20 pm – 01:30	Keynote address – Holistic Development – An overview
	Prof. Rammana Rao, IASE Bilaspur, C.G.
01:30 noon – 02:30 pm	**Lunch Break**
02:30 pm – 4:00	Technical Session leading to Paper Presentation

Tuesday, 19 February 2019 — **Venue: Multipurpose Hall, Education Departmen**

9:30 am – 12:00	Lead Talk by Dr. Prof. C.D. Agashey, Director, Institute Teacher Education, PRSSU, Raipur (C.G.)
:00 noon – 12:15 pm	**Tea Break**
15 pm – 01:30	Lead Talk by Dr. Sanjay Sharma, Assistant Professor, School Educational Studies, Dr. Harisingh Gour Central Univerist Sagar, M.P.
30 noon – 02:30 pm	**Lunch Break**
0 pm – 4:00	Technical Session leading to Paper Presentation

Wednesday, 20 February 2019	Venue: Multipurpose Hall, Education Department
10:30 am – 12:00	Lead Talk by Dr. Mukesh Chandrakar, Central University Bilaspur, (C.G.)
12:00 noon – 12:15 pm Tea Break	
12:15 pm – 01:30	Lead Talk by Prof. Pushplata Sharma, Kalyan College Bhilai, (C.G.)
01:30 noon – 02:30 pm Lunch Break	
Valedictory Function	Venue: Multipurpose Hall, Education Department
02:30 pm – 02:45 pm	Floral Welcome
02:45 pm – 03:15 pm	Participants Feedback
03:15 pm – 03:30 pm	Address: by Dr. Meghesh Tiwari, Principal, Vipra Arts Commerce & Physical Education College, Raipur Chhattisgarh
03:30 pm – 03:50 pm	Certificate Distribution
03:50 pm – 04:00 pm	Vote of Thanks by Dr. Divya Sharma, Convener

'हरिभूमि' 18 फर. '2019

विप्र कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

रायपुर। विप्र महाविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी व परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस संगोष्ठी में शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास में कार्य पर आधारित शिक्षा का महत्व विषय पर चर्चा होगी। पहले दिन वक्ता डॉ. रमन्ना राव होंगे। उद्घाटन समारोह में पं.रविवि कुलपति डॉ. के.एल. वर्मा, समिति अध्यक्ष, ज्ञानेष शर्मा सहित प्राचार्य मेघेश तिवारी उपस्थित होंगे। कार्यक्रम कॉलेज सभागार में सुबह 10 बजे शुरु होगा।

'नई दुनिया' 18 फर '19

विप्र कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी व परिचर्चा आज से

रायपुर। विप्र महाविद्यालय में शिक्षा विभाग की ओर से 18 से 20 फरवरी तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी व परिचर्चा का आयोजन किया गया है। इस मौके पर सुबह 10 बजे से राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के एल वर्मा होंगे। अध्यक्षता विप्र शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा करेंगे। कॉलेज के प्राचार्य मेघेश तिवारी ने बताया कि समारोह के पहले दिन मुख्य वक्ता शासकीय शिक्षा महाविद्यालय बिलासपुर के डॉ. रमन्ना राव होंगे। - नईदुनिया प्रतिनिधि

'नवभारत' 19 फर. '2019

विप्र कॉलेज में शिक्षा विभाग का तीन दिवसीय संगोष्ठी- परिचर्चा शुरू

स्कूली शिक्षा अच्छी तो उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आयेगी- प्रो. वर्मा

■ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.

विप्र कॉलेज के सभागार में शिक्षा विभाग द्वारा 'शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के कार्य आधारित शिक्षा का महत्व' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं परिचर्चा का उद्घाटन सोमवार को मुख्य अतिथि कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के.एल वर्मा ने किया. उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देशय विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास है. ये अच्छी बात है कि विप्र कॉलेज ने बी.एड. की पढ़ाई का गंभीरता से लिया है. स्कूली शिक्षा अच्छी तो उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आयेगी. स्कूली शिक्षा का स्तर सुधारने में कॉलेज की सर्वोत्तम भागीदारी यही है कि बी.एड. विद्यार्थी को उच्च स्तर पर प्रशिक्षित कर योग्य शिक्षक बनाये.

अध्यक्ष की आसंदी से अध्यक्ष, विप्र शिक्षण समिति ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास में मानसिक, शारीरिक, अध्यात्मिक, भाषाई, नैतिक विकास सहित सभी प्रकार के विकास में शिक्षक की भूमिका तथा इन सभी में कार्य आधारित शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. प्राचार्य डॉ. मेघेष तिवारी ने संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास में आवश्यक समस्त पहलुओं को समझने के लिए यह आयोजन किया गया है. तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, बिलासपुर के डॉ. रमन्ना राव ने अध्यात्मिक विकास के लिए विद्यालयीन प्रक्रिया पर व्याख्यान देते हुए कहा कि इस विषय को अध्यात्म और धर्म दो भाग में बांट सकते हैं. अध्यात्मिक केवल एक है जबकि धर्म अनेक होते हैं. धर्म किसी एक में विश्वास करना है और अध्यात्म आपका अपना अनुभव है. धर्म साधन है अध्यात्म साध्य है. इसलिए हम जब साधन को ज्यादा महत्व देते हैं. तब धर्म व्यक्ति से व्यक्ति को अलग करता है, जबकि अध्यात्म जोड़ता है. संगोष्ठी की संयोजक डॉ. दिव्या शर्मा ने बताया कि द्वितीय सत्र में 10 विद्यार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए. संगोष्ठी के दूसरे दिन 19 फरवरी, मंगलवार को मुख्य वक्ता संचालक, शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय डॉ. डी.सी. अगासे और सहायक प्राध्यापक शिक्षा विभाग, डॉ. हरी सिंग गौर, केंद्रीय विश्वविद्यालय,सागर मप्र. होंगे.

नई दुनिया 20 फर० '2019

पहले लुहार, बढ़ई व किसान को नहीं माना जाता था अशिक्षित : डॉ.संजय

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

विप्र कॉलेज के शिक्षा विभाग ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया। इसके दूसरे दिन मंगलवार को कई विशेषज्ञों ने 'शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य आधारित शिक्षा का महत्व' पर बात की। प्रमुख वक्ता डॉ. सीडी अगासे, संचालक, शिक्षा विभाग पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर मध्यप्रदेश और डॉ. संजय शर्मा रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने सभी विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए कहा कि यह संगोष्ठी कार्य आधारित नवाचार, नए शोध आदि पर चर्चा करने के लिए रखी गई है। डॉ संजय शर्मा ने कहा कि काम अपने आप में सीखने-सिखाने की पद्धति है। गांधी जी कहते थे कि जड़ें मजबूत होनी चाहिए, गांव आत्म-निर्भर होने चाहिए। पहले लुहार, बढ़ई, किसान को अशिक्षित नहीं मानते थे, क्योंकि वे अपने काम में कुशल होते थे। आज अक्षर ज्ञान को शिक्षा मान लिया गया है। जो हाथ से काम करने में सक्षम हैं, जिनके हाथों में कला है, उन्हें भी इल्म है कि किसी वस्तु या कलाकृति को कैसे बताना है। ऐसे लोग अपनी कला के प्रति शिक्षित होते हैं। हमें अपने दृष्टिकोण बदलने होंगे। द्वितीय सत्र में डॉ. सीडी अगासे ने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए विद्यार्थियों के ऊपर बहुत दबाव है, उनके शारीरिक व मानसिक विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता।

पत्रिका 20 फर० 19

कार्य अपने आप में सीखने-सिखाने की पद्धति है, निरंतर आगे बढ़ाना ही लक्ष्य

रायपुर ◆ कार्य जीवन में एक ऐसी विधा है जो इंसान को आगे बढ़ाती है। अगर आप निरंतर आगे बढ़ते हैं तो लक्ष्य मिलना आसान होता है। बस शर्त यह होती है फल की प्रतीक्षा न करते हुए अपने काम को दिल से करो। यह कहना है डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर मध्यप्रदेश के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय शर्मा का। वे मंगलवार को विप्र कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी में आए और स्टूडेंट्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों ने केवल पढ़ने को ही शिक्षा समझ लिया है, इस दृष्टि को हमें बदलना होगा। हमारी शिक्षा तभी सफल होगी जब हम जितनी अधिक मेहनत करते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे। कार्यक्रम में पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी के डॉ. सीडी अगासे ने छात्रों को खेल का महत्व बताया और हमेशा स्वस्थ रहने का मंत्र दिया। कार्यक्रम में

'धरिभूमि' 21 फर. 2019

शिक्षक होना गर्व की बात

रायपुर। विप्र कॉलेज में चल रहे राष्ट्रीय संगोष्ठी का बुधवार को समापन हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन वक्ता अंजनी शुक्ला ने कहा, निरंतर ज्ञान अर्जित करते रहकर ही विद्यार्थी को ज्ञान दे सकते हैं। डॉ. मुकेश चन्द्राकर ने कहा, एक शिक्षक को पूर्ण ज्ञान के साथ कक्षा में प्रवेश करना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों की समस्या व उलझन को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा, मानव जीवन में शिक्षक होना गर्व की बात है। इस दौरान कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

'नवभारत' 21 फर - 2019

मानव जीवन में शिक्षक होना गर्व की बात : डॉ. शुक्ला

विप्र कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी - परिचर्चा का समापन

■ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.

निरंतर ज्ञानार्जन करते विद्यार्थी को ज्ञान दे सकते हैं. आज के भौतिकवाद में विद्यार्थी को मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करें. चरित्र निर्माण उद्देश्य होना चाहिए. विद्यार्थी के अंतर्निहित ज्ञान को प्रकाशित कराना शिक्षक का उद्देश्य होना चाहिए. मानव जीवन में शिक्षक होना गर्व की बात है. विप्र कॉलेज में बुधवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी-परिचर्चा के समापन पर मुख्य अतिथि निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, छग. डॉ. अंजनी शुक्ला ने उक्त बातें कहीं.

प्रथम सत्र में विषय विशेषज्ञ व केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर डॉ. मुकेश चंद्राकर ने बताया कि एक शिक्षक को पूर्ण ज्ञान के साथ कक्षा में प्रवेश करना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों की समस्या व उलझन को दूर कर सके. शिक्षक में ज्ञान देने के साथ ही सुनने, विद्यार्थी को समझने की क्षमता भी होनी चाहिए. द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ व कल्याण कॉलेज भिलाई प्रो. पुष्पलता शर्मा ने कहा कि नवीन तकनीक व नवाचार का उपयोग कर शिक्षक को शिक्षण कार्य को रोचक व ज्ञानवर्धक बनाना चाहिए. विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने कहा कि नई जानकारियों से अवगत होना और विद्यार्थियों को कराना हमारा दायित्व है. संगोष्ठी संयोजक डॉ. दिव्या शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय संगोष्ठी व परिचर्चा में झारखंड, भिलाई, राजिम, धमतरी, बिलासपुर और रायपुर से करीब 273 प्रतिभागियों ने भाग लिया. तीन दिन में 51 शोध पत्र का पठन किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. शुक्ला और अध्यक्ष विप्र शिक्षण समिति ज्ञानेश शर्मा और आनंद पाण्डेय ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया.